27. चित्र-वर्णन

मनुष्य के मन में किसी दृश्य या चित्र को देखकर अनेक भाव जाग्रत होते हैं। इन भावों को व्यक्त करना ही चित्र-वर्णन कहलाता है। चित्र-वर्णन के भिन्न-भिन्न विषय होते हैं; जैसे– किसी घटना, नाटक, कहानी या कार्टून से जुड़े चित्र।

शिक्षण-संकेत

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका छात्रों को चित्र-वर्णन के बारे में समझाएँ।
- ❖ चित्र-वर्णन की परिभाषा याद करवाएँ।
- ❖ चित्र-वर्णन करते समय ध्यान रखने योग्य बातों से अवगत करवाएँ।
- ❖ पाठ पृष्ठ पर दिए गए उदाहरणों को छात्रों से पढ़वाएँ।
- ❖ दिया गया अभ्यास करने को कहें तथा यथासंभव सहायता करें।